सही शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग अच्छे पत्रकार की निशानी

पांच दिवसीय कार्यक्रम 'चेंज' में साहित्यकार अजहर हाशमी ने कहा

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

एक खोजी पत्रकार को रहस्य में जाना और सत्य को खोजना होता है, एक अच्छा वक्ता बनने से पहले एक अच्छा श्रोता बनना जरूरी होता है। यह बात साहित्यकार अजहर हाशमी ने सोमवार को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में पांच दिवसीय छात्र प्रेरणा कार्यक्रम 'चेंज' के शुभारंभ पर बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने बताया कि शिक्षक व विद्यार्थियों के बीच संवाद का सेतु बना रहना चाहिए ताकि विचारों के वाहनों का आवागमन बना रहे, क्योंकि पत्रकारिता सुविधाओं का सोफा नहीं, बल्कि चुनौतियों की चटाई है।

उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए मेहनत, आत्मविश्वास और उचित समय प्रबंधन होना अति आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपने जीवन में एक-एक सेकंड का सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को श्रीमद् भागवत गीता, रामायण, कुरान, बाइबिल से संदर्भित करते हुए वर्तमान पत्रकारिता व जनसंचार को स्पष्ट किया, वहीं विद्याथिंयों के बीच उन्होंने अपने साहित्य को भेंट स्वरूप अर्पित रचनाएं भी पढ़ीं। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने मां सरस्वती के पूजन, माल्यार्पण व कुलगीत से की। इसके बाद अतिथियों का सूत की माला से विभागाध्यक्ष सोनाली नरगुंदे द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर अतिथि राकेश शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी संतुष्टि के लिए पहले यह जानें कि यह कार्य मैं करना चाहता हूं या नहीं?, जिस व्यवसाय में हम जा रहे हैं उससे हम संतुष्ट है या नहीं?, किसी भी व्यवसाय में जाने से पहले हमें यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए।

शब्दों की धार से रचा इतिहास

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के लिए भाषा महत्वपूर्ण होती है, सही शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग ही अच्छे पत्रकार की निशानी है। बड़े पत्रकारों ने अपने शब्दों की धार से पत्रकारिता में कई कीर्तिमान रचे हैं, वहीं दूसरी ओर पत्रकारिता में सत्य की तलाश अत्यंत कठिन है, इसलिए हमें निष्पक्ष होकर अपने व्यवसाय के प्रति समर्पित होना चाहिए। आयोजन में पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला के डॉ. नीलमेघ चतुर्वेदी, मनीष काले, सौरभ मेश्राम, नेहा रोनियार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पूर्विका [illegible]